

M.A. (Part-2) Examination-2012
(New Course)
MAHD-09
लोक साहित्य

समय अवधि 3 घण्टे

पूर्णांक :- 60

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए :

3×10 = 30

खण्ड 'क'
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

- (क) 'लोक' शब्द का विवेचन करते हुए सविस्तार लोक साहित्य तथा लोक संस्कृति का अन्तर्सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए।
- (ख) 'लोकवार्ता' से आप क्या समझते हैं, स्पष्ट कीजिए तथा लोक संस्कृति एवं आभिजात्य संस्कृति अंतर बताइये।
- (ग) लोकसाहित्य का अन्य समाजविज्ञानों से संबंध स्पष्ट करते हुए लोक साहित्य के महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए।
- (घ) लोक साहित्य के संकलन एवं संरक्षण पर एक निबंध लिखिए।
- (ङ) कुमाऊँनी लोक साहित्य का वर्गीकरण करते हुए कुमाऊँनी लोकसाहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
- (च) लोकगाथाओं से आप क्या समझते हैं ? गढ़वाली लोकगाथाओं के प्रकारों को सविस्तार समझाइये।

खण्ड 'ख'
(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए :

4×5 = 20

- (क) 'लोक संस्कृति के विस्तार क्षेत्र' पर प्रकाश डालिए।
- (ख) लोकमानस के लक्षण स्पष्ट कीजिए।
- (ग) लोक साहित्य के अध्ययन के इतिहास पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
- (घ) कुमाऊँनी लोक गीत 'न्यौली' पर एक टिप्पणी लिखिए।
- (ङ.) 'संस्कार गीत' (कुमाऊँनी) से आप क्या समझते हैं, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- (च) किसी एक कुमाऊँनी अथवा गढ़वाली लोकगाथा को अपने शब्दों में लिखिए।
- (छ) गढ़वाली के परिप्रेक्ष्य में 'प्रणय गीत' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
- (ज) गढ़वाली कहावतों का सोदाहरण, संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

खण्ड 'ग'
अति लघु उत्तरीय प्रश्न

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए .सभी के अंक सामान हैं 10x1=10

- (क) 'लोक' शब्द की एक परिभाषा लिखिए।
(ख) पंजाबी लोकगाथा हीर-रांझा किस छंद में लिखी गई है ?
(ग) गढ़वाली लोकगीतों को कितने भागों में बांटा जाता है ?
(घ) कुमाऊँनी लोकगीत जोड़ का दूसरा नाम क्या है ?
(ङ) हिलजात्रा का संबंध कुमाऊँ के किस भाग से है ?

सही विकल्प चुनिए

- (च) 'झोड़ा' शब्द का मूल शब्द माना गया है -
i. झाड़ी
ii. जोड़ा
iii. झाड़ू
iv. जोरू
- (छ) 'ऋतुरैण' का सम्बन्ध है -
i. वर्षा ऋतु से
ii. बसंत ऋतु से
iii. खेती से
iv. बादल से
- (ज) वेदों में पहेलियों को कहा गया है -
i. पहेलि
ii. ब्रह्मोदय
iii. प्रेलिका
iv. कुछ नहीं
- (झ) तीलू रौतेली पर किसने आक्रमण किया ?
i. गजनी ने
ii. सुजान सिंह
iii. रामू रजवार
iv. कलबिष्ट
- (ञ) लोकगीतों के आरम्भिक सूत्र मिलते हैं -
i. ऋग्वेद में
ii. सामदेव में
iii. भागवत पुराण में